भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. 87

गुरुवार, 9 फरवरी, 2023/20 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु परियोजनाएं

87. डा. कनिमोझी एनवीएन सोमू:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास देश में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रस्ताव/स्वीकृत परियोजनाएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा तमिलनाडु सहित विभिन्न क्षेत्रों में इको-टूरिज्म परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए राज्य-वार क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को कितनी केन्द्रीय वित्तीय सहायता जारी की गई है तथा इस संबंध में वर्ष-वार कितनी धनराशि व्यय की गई है;

(घ) क्या सरकार को इको-टूरिज्म के विकास और प्रोत्साहन के लिए विभिन्न राज्य सरकारों से प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड.) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

देश में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने हेतु परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 09.02.2023 के राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 87 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में विवरण

(क) से (ड.) : पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास हेतु वर्ष 2014-15 में अपनी 'स्वदेश दर्शन योजना' (एसडीएस) की शुरूआत की थी । इस योजना के अंतर्गत विभिन्न चिह्नित थीमेटिक परिपथों के अंतर्गत देश में 5315.59 करोड़ रु. की राशि से कुल 76 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई थी जिसमें तमिलनाडु में 73.13 करोड़ रु. की राशि से तटवर्ती परिपथ के अंतर्गत ''चेन्नई-मामल्लापुरम – रामेश्वरम – मनपादु – कन्याकुमारी का विकास'' की एक परियोजना शामिल है । एसडीएस की ईको पर्यटन परिपथ थीम के अंतर्गत तमिलनाडु में किसी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी गई थी हालांकि मंत्रालय ने देश में ईको पर्यटन थीम के तहत 6 परियोजनाओं को स्वीकृति दी है जिनका विवरण नीचे दिया गया है :-

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य का नाम	वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि	उपयोग की गई राशि*
1.	उत्तराखण्ड	(2015-16)	टिहरी झील के आसपास टिहरी-चंबा-सरैन का विकास।	69.17	69.17	69.20
2.	तेलंगाना	(2015-16)	महबूबनगर जिले में (सोमासिला, सिंगोटम, कडलैवनम, अक्कामहादेवी, एगलानपंटा, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलतीर्थम) का विकास	91.62	87.04	91.62
3.	केरल	(2015-16)	पत्तनमतिट्टा-गावी-वागामोन-तेक्कडी का विकास।	64.08	64.08	64.08
4.	मिजोरम	(2016-17)	आइजोल-रॉपुइछिप-खावफावप-लेंगपुई-चतलांग-सकावरमुइतुइतलैंग-मुथी-बेरातलॉन्ग-तुइरियल एयरफील्ड-मुइफांग का विकास	66.37	49.53	49.53
5.	मध्य प्रदेश	(2017-18)	गांधीसागर बांध- मंडलेश्वर बांध- ओंकारेश्वर बांध- इंदिरा सागर बांध- तवा बांध- बारगी बांध- भेड़ाघाट- बाणसागर	93.76	89.08	88.58

			बांध- केन नदी का विकास			
6.	झारखण्ड	(2018-19)	दलमा - चांडिल – गेतलसूद - बेतला राष्ट्रीय उद्यान – मिर्चैया - नेतरहाट का विकास	30.11	26.37	16.37

* उपयोग की गई राशि राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए उपयोग प्रमाणपत्र के अनुसार दी गई हैं ।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने देश में विकास और संवर्धन हेतु ईको पर्यटन को निश पर्यटन उत्पादों में से एक के रूप में चिह्नित किया है और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों और उद्योग हितधारकों के साथ परामर्श से ईको पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है ।

पर्यटन मंत्रालय ने अब गंतव्य एवं पर्यटन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी तथा जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में स्वदेश दर्शन योजना को नया रूप दिया गया है । इस योजना के दिशानिर्देशों में राज्यों द्वारा तैयार की गई राज्य संदर्शी योजना (एसपीपी) पर आधारित गंतव्यों के चयन की परिकल्पना की गई है ।

*****